धंधे में तो दिवाला भी मारा जाता है। तो यह भी पढ़ाई है जिससे तुम 21 जन्म लिए देवता बनते हो। निश्चय है तो पढ़ाई पर कितना अटेंशन देना चाहिए। विलायत में रहने वालों को भी यह ज्ञान धन मिलता रहता है। लौकिक बाप की अच्छे बच्चों को देखकर दिल खुश होती रहती है। भाकी पहनते रहते हैं। यहाँ तो भाकी पहनने से कितना हंगामा हो जाता है। बाप ने समझाया है मेरे यज्ञ में बन्दर विघ्न डालते रहते हैं। ..... वो कुछ नहीं। स्वर्ग में तो ऐसे कोई आए नहीं सकते। प्रश्न इतने पूछते हैं बात मत पूछो। कह देना चाहिए हमको फुर्सत नहीं है। शैतानी बुद्धि है ना। गालियाँ बकते रहते हैं। भगवानुवाच्य यह विकारी दुनिया है। विख पॉइज़न कहा जाता है ना, जिससे आदि–मध्य–अंत मनुष्य दुख पाते हैं। सब डर्टी ब्रूटस हैं। मूत पीते हैं ना। बाप बच्चों से ही बात करते हैं। बंदर बुद्धि को बिठाते नहीं हैं। बाबा ने कहा है बाहर वाले नए से बिल्कुल मिलना नहीं है; क्योंकि आजकल के मनुष्य बहुत गंदे हैं। कोई भी समय पत्थर मारने देरी नहीं करेंगे। बातें बनाने में मनुष्य होशियार होते हैं ना। सबसे होशियार बातें बनाने में कौन है? व्यास। मनुष्य कहते हैं व्यास भगवान ने बनाया है, लिखा है। बाप कहते हैं मैंने तो कहा नहीं है कि मैं सर्वव्यापी हूँ। कितने झूठे शास्त्र बनाए हैं। बाप 100% बेसमझ से कितना (समझदार) बनाते हैं। कृष्ण को गांव का छोरा और श्याम क्यों कहते हैं यह कोई समझते नहीं हैं। अभी तुम समझते हैं। वो ही ऊँच से ऊँच फिर नीच ते नीच बनते हैं। यह बरोबर गांव का छोरा था। हफ्ते में 4 आना कमाते थे तो बहुत खुश होते थे। वहाँ कोई खर्चा थोड़े ही लगता था। अब तुम बच्चे समझ गए हो। तुम क्या से क्या बन गए हो। वर्थ नोट ए पैनी से वर्थ पाउंड बनते हो। मुझे ही सब कहते हैं हे पतित–पावन, हे लिबरेटर, दुख हर्ता, सुख कर्ता। बाप आए हैं 21 जन्म लिए सुख देने लिए। यह तो है ही आसुरी दुनिया। तुम ईश्वरीय सम्प्रदाय हो। बाप को पहचानना बहुत मुश्किल है। पहचानें तो पकड़ कर ही बैठ जावे। परमात्मा की बहुत महिमा करते–2 फिर तो एकदम ही निंदा कर देते हैं। बन्दर सम्प्रदाय है ना। तुम भी अब समझते हो हम भी ऐसे ही थे। किसी की तकदीर में नहीं हो तो बाप फिर क्या करे। श्रीमत पर नहीं चलेंगे तो कहेंगे ड्रामा। ओमशांति, गुडनाइट।